आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:27-11-14

अपने सत्य ज्ञान से हमें सच्चे राजयोगी बनाने वाले सत-बाप ने कहा, मीठे बच्चे - यह पढ़ाई तो एक ही है, उनको कहा जाता है राजाओं का राजा बनने की पढ़ाई. राजयोग है ना. राजाई प्राप्त करने के लिए बाप से योग. तुम्हें स्वयं परमात्मा अभी राजयोग सिखलाते हैं.

राजयोग का उल्लेख शास्त्रों में भी हैं. लेकिन वह हठयोग से अपनी कर्मेन्द्रियों पर कंट्रोल करना सिखाते हैं. यहॉ बाप ने बहुत सहज रुप से राजयोग का मतलब हमें समझाया है. बाप कहते हैं - देह के सब धर्म छोड़ अपने को आत्मा समझो और मुझ परमात्मा को याद करो. इसमें कोई शारीरिक क्रिया नहीं करनी हैं. सिर्फ अपने को आत्मिक स्थिति में स्थित कर अपनी मन-बुद्धि से परमात्मा-बाप को याद करना है. यह सहज भी इसलिए है क्योंकि बाबा ने हमें आत्मा और परमात्मा का सम्पूर्ण ऐक्युरेंट ज्ञान दिया हैं. यह भी देखा गया है कि इस राजयोग से आत्माये परिवर्तन भी होती हैं. क्रोध, कामनाये, इच्छाये समाप्त हो जाती हैं. आत्मा विकारों से मुक्त होकर निर्विकारी, सुखी जीवन जिति हैं.

बाबा की आज की मुरली से कुछ महा-वाक्यों को अपनी आत्मिक अवस्था बनाकर, सर्व विकल्पों-संकल्पों को मर्ज कर, एक बाप की याद में रहकर पढ़ेंगे तो बाबा से हमारा योग सहज हो जायेगा.

- बाबा ने कहा यह तो सब बच्चों को निश्चय होगा कि हम आत्माओं को परमात्मा बाप पढ़ाते हैं. ५ हजार वर्ष बाद एक ही बार बेहद का बाप आकर बेहद के बच्चों को पढ़ाते हैं. वह हमारा बाप भी है, टीचर भी है, सुप्रीम गुरु भी है.

- बाबा ने कहा यहॉ बैठे सब बच्चे समझते होंगे - सभी आत्माओं का एक ही रुहानी बाप है. सभी आत्माये उनको ही याद करती हैं.

- बाबा कहते है तुम्हें कोई मनुष्य नहीं सिखलाता हैं. तुम्हें स्वयं परमात्मा बाप यह राजयोग की पढ़ाई पढ़ाते हैं. तुम फिर औरों को समझाते हो. तुम्हें योगयुक्त हो, याद की यात्रा में

रहकर दूसरों को समझाना हैं. समझना है हम भाई-भाई को सिखलाते हैं. आत्मा को ही देखना है. आत्म-अभिमानी बनने से ही तुम्हारे वचनों में ताकत रहेगी.

- ब्रह्मा-बाबा कहते है जैसे मैं बाप को याद करता हूँ - ऐसे-ऐसे तुम भी याद करो. बाबा आप तो बहुत मीठे हो. एकदम हमको विश्व का मालिक बना देते हो.

- बाबा कहते है बाप तुमको ज्ञान चक्षु देते हैं. तुम्हारी आत्मा को सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त का पता पड़ गया है. चक्र फिरता रहता है. अभी तुम समझते हो बाबा हर कल्प आकर पतित से पावन बनाते हैं, फिर यह नॉलेज खलास हो जायेगी.

ॐ शांति.